कोविड काल में बदलता समाज

* भूमिका
* ऑनलाइन शिक्षा : सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष
* मानसिक संघर्ष : कोविड का आविष्कार
* बेरोजगारी
* तकनीकी साक्षरता : कोविड का विनय
* प्रकृति प्रदूषण में आई बदलाव
* उपसंहार

* भूमिका

"भविष्य उनका है जो सपनों की सुंदरता
पर विश्वास करते हैं"

आज हमारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। लेकिन दो साल पहले हमारा देश ऐसा नहीं था। कोविड हमारा जीवन को बदला। सभी क्षेत्रों में परिवर्तन हुई। कुछ मूल्यों का विनाश हुई और कुछ मूल्यों का जन्म

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

हुई। कुछ बेहतर सुविधाएँ हमको मिला और कुछ सुविधाएँ नष्ट हुई।

* ऑनलाइन शिक्षा : सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष

"शिक्षा एक शक्तिशाली हथियार है
जिससे आप इस दुनिया को बदल सकते हैं"

कोविड काल में शिक्षा में कई बदलाव आई। कोविड के कारण बच्चों और अध्यापकों को अपने घर में रहने पड़ा। स्कूलों और कालेजों बंद हुई। लेकिन ऑनलाइन शिक्षा हमारा रक्षक बन गई। हमारा परंपरागत शिक्षा प्रणाली में कई बदलाव आई। ऑनलाइन शिक्षा के कारण अध्यापकों और छात्रों को अपने घर में बैठकर शिक्षा प्राप्त करना एक बेहतर सुविधा बन गई। ऑनलाइन शिक्षा एक बेहतरीन सुविधा है जहाँ आप अपने घर में बैठकर शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा में बच्चों को अध्यापक से बात कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा में बच्चों को ~~मीडिय~~ पी.डी.एफ. बनाकर अपना नोट्स भेज सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा में छात्रों को सवाल पूछ सकते हैं

और अपने अध्यापक से बात कर सकते है। लेकिन ऑनलाइन शिक्षा के कारण कुछ समस्याएँ भी हम सामना करना पड़ा। इनमें से एक है "मूल्यों की विनाश"। कोविड बच्चों की सामाजिक कौशल का विकास को रोक दिया। स्कूल बंद होने के कारण बच्चों को अकेलापन महसूस किया। क्योंकि स्कूल से शिक्षा के साथ कुछ मूल्यों भी हमको मिलते है। भाईचारा, दोस्ती आदि स्कूलों से मिलते है। इसलिए इन स्कूलों बंद करने के कारण बच्चों की आत्मविश्वास नष्ट हुई। विद्यालय बंद होने के कारण बच्चों सामाजिक परिस्थितियों से पीछे हटना शुरु किया। बच्चों को सामाजिक मूल्य नष्ट हुई और वे सामाजिक माध्यमों का गुलाम बन गया। एक रिपोर्ट में कहा था कि कोविड काल में छात्रों सामाजिक माध्यमों का उपयोग छात्रों में बढ गई। ऑनलाइन शिक्षा के कारण बच्चों का एकाग्रता नष्ट हुई। वे मोबइल में खेल खेलना शुरु किया। इसलिए बच्चों का मनोभाव भी बदल गई। वे अपने माँ-बाप के साथ करने से अधिक समय मोबइल फोन में का उपयोग किया।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

* मानसिक संघर्ष : कोविड का अविष्कार

कोविड के कारण लोगों को बीच मानसिक संघर्ष का अनुभव किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के रिपोर्ट के अनुसार करीब 300 मिलियन लोग मानसिक संघर्ष का अनुभव करता है। कोविड के कारण इस संख्या में वृद्धि हुई। कोविड के कारण सब बंद हुआ। इसके कारण सब लोगों को अकेलापन महसूस हुई। अकेलापन के कारण मानसिक संघर्ष भी बढ गई। हमारा समाज का विकास के लिए युवक ही काम करना होगा। लेकिन आज युवक मानसिक संघर्ष के कारण एक खतरनाक जीवन बिता रहा है। 52 प्रतिशत से अधिक युवक मानसिक संघर्ष का अनुभव करते है। कोविड काल में एक व्यक्ति अपने घर का सभी दरवाजों बंद किया और अपने परिवारवालों से दूर बैठ गई। उसका मन कोविड के कारण भयभीत था और इसलिए वे यह किया। कोविड के कारण मानसिक संघर्ष बढ रही है।

(**Note**: Graded items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

* बेरोजगारी

कोविड के कारण बेरोजगारी बढ गई। कोविड के कारण कुछ लोगों को अपना काम नष्ट हुई। कोविड के कारण व्यवसाय सब चरमरा हो गई। इसलिए लोगों को अपना काम नष्ट हुई। सूचनाओं के अनुसार भारत में 8 प्रतिशत से अधिक लोगों को आज काम नही है। इसलिए गरीबी भी बढ रही है। कोविड काल में

* तकनीकी साक्षरता : कोविड का विजय

कोविड के कारण हमारा समाज में कई बदलाव आई। इनमें से एक है डिजिटल साक्षरता। कोविड के कारण सबको तकनीकी का ज्ञान मिला। कोविड के पहले यह तकनीकी साक्षरता युवकों को ही मिल गई थी। अन्य लोगों को इसके बारे में कुछ ज्ञान भी नही थे। लेकिन कोविड काल में लोगों तकनीकी का बेहतरीन सुविधाएँ जानकर उसका उपयोग करना शुरु किया। इसका एक उदाहरण है ऑनलाइन खरीदारी। कोविड काल में ऑनलाइन खरीदारी बढ गई थी। आज भारत

तीसरी ऑनलाइन खरीदार बेस है। इस उपलब्धि कोविड काल में हुई थी। जो लोग बाजार में जाकर कपड़े खरीदा था, उसी लोग आज अपने घर में ही बैठकर कपड़े खरीदते है।

कोविड काल में अभिभावक को डिजिटल साक्षरता मिला। इसलिए वे अपने बच्चों पर काफी ध्यान रखना शुरु किया। अभिभावक को डिजिटल साक्षरता मिलने से बच्चों का मोबइल फोन में वह अपना ध्यान रखेगा। अभिभावक को डिजिटल साक्षरता मिलने से वे सामाजिक माध्यम का गुण और दोष के बारे में जान सकेगा।

कोविड काल में लोगों मोबइल फोन का उपयोग करके नई-नई बातें जानना शुरु किया। कोविड काल में बच्चों को नई-नई भाषाएँ पढने के लिए सुविधाएँ मिला। कोविड काल बच्चों का रचनात्मकता बढ गए।

* प्रकृति प्रदूषण में आई बदलाव

कोविड के कारण प्रदूषण कम हुई। कोविड के पहले प्रकृति प्रदूषण बढ गई थी। लेकिन कोविड

Item Code: 645 Participant Code: 103

काल में प्रकृति प्रदूषण कम हुई। कोविड काल में सब बंद हुई थी और गाड़ियों का संख्या कम हुई। इसके कारण कार्बन उत्सर्जन कम हुई। कोविड के ~~पहले~~ ~~अवस्थान~~ में ~~घटा~~ कार्बन उत्सर्जन कम होने के कारण प्रकृति प्रदूषण भी कम हुई।

* समस्याओं को मिठाना सरकार का दायित्व है

कोविड के कारण मानसिक संघर्ष बढ रही है। मानसिक संघर्ष को रोकने के लिए सरकार 'राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम' का प्रक्षेपण किया है। मानसिक ~~संघर्ष~~ स्वास्थ्य के लिए सरकार 'मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम' का प्रक्षेपण किया है। मानसिक संघर्ष को रोकने के लिए सरकार 'किरण हेल्पलाइन' नामक एक हेल्पलाइन का प्रक्षेपण किया है।

* कोविड के कारण बेरोजगारी बढ रही है। बेरोजगारी रोकने के लिए सरकार 'प्रधानमंत्री रोजगार योजना' और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का प्रक्षेपण किया है।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

* समस्याओं को मिठाना इसका छात्रों का मनोभाव में निहित है

" आज का युवक, कल का नागरिक है "
- जवाहरलाल नेहरु

कोविड के कारण बच्चों का मूल्यों नष्ट हो रहा है। इसलिए बच्चों में आत्मविश्वास, भाईचारा, दोस्ती आदि विकसित होने के लिए संगोष्ठीयाँ और मंच चलाना है। बच्चों का आत्मविश्वास बढाने के लिए बहस चलाना है। सामाजिक माध्यम का उपयोग विराम करने के लिए सामाजिक माध्यम विरुद्ध क्लब का स्थापना करना चाहिए।

कोविड के कारण आज मानसिक संघर्ष बढ रही है। इसे रोकने के लिए 'मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर संगोष्ठीयाँ और मंच चलाना है। विद्यालय में 'मानसिक स्वास्थ्य क्लब का स्थापना करना चाहिए।

कोविड के कारण ~~बच्चों~~ का भविष्य अधिक प्रभावित हुई। इसलिए हम हमारा मन को बदलाकर नया

Item Code: 645 Participant Code: 103

बदलाव का स्वीकार करना होगा। हम छात्र लड़ना है। हमारा भविष्य बनने के लिए हम लड़ना है। हर एक समस्या को एक उत्तर है। ढूँढकर उस उत्तर को पहचानना है। ऐसा हम किया तो हमारा समाज भी इस नया बदलाव के साथ आगे बढ़ेगा। यह एक परियोजना है जिसे हम मिलकर करना है

* उपसंहार

"परिवर्तन का रहस्य ये है कि
हम पुराने के साथ लड़ने से
नए का निर्माण में हमारा
शक्ति लगाए"

यह एक परियोजना है जिसे हम मिलकर करना है। समाज का बदलाव का स्वीकार करके आगे बढ़ो।

जय हिंद

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)